विश्वविद्यालय क्षेत्रीय संसाधनों और परिवेश की संभावनाओं को पहचानें: पटेल

भोपाल(काप्र)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में उच्च गुणवत्ता को लक्ष्य बनाए। लक्ष्य और प्राप्ति के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों को पर्याप्त स्वायत्ता दी गई है। जरूरी है कि कुलगुरू अपनी क्षमताओं, विश्व-विद्यालय के संसाधनों और आसपास के परिवेश के अनुसार विकास की संभावनाओं की पहचान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में अपने सीमित दायरे से बाहर निकलें। वर्तमान की मांग और भविष्य की संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टॉस्क फोर्स बना कर समय-सीमा में सभी विश्वविद्यालयों की कार्ययोजना तैयार कराई जाए। श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राजभवन में आयोजित शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरूओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री लखन पटेल भी मौजूद थे।

राज्यपाल ने कुलगुरूओं से कहा है कि विद्यार्थी कल्याण के विषयों के प्रति संवेदनशील रहें। अभिभावक अपने बच्चें सरकार के भरोसे पर शासकीय विश्वविद्यालयों में भेजते हैं। उनकी देख-भाल पालक के दृष्टिकोण के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि कुलगुरू नियमित आधार पर छात्रावास, मेस, खेल सुविधाओं और कक्षाओं का नियमित निरीक्षण भी करें। श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार की सम्भावनाओं को बढ़ाने वाले पाठ्यक्रमों पर फोकस करें। डिग्री, डिप्लोमा के साथ ही मांग आधारित पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किये जाएं। स्थानीय उद्योगों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की आवश्यकताओं के अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता के रोजगार लिए संबद्ध विषयों के अध्ययन की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं की उपलब्धता और उनके उन्नयन के लिए भी विशेष प्रयास करने की जरूरत बताई। श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रास की गतिविधियों में विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय बहु विषयक आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय बनें। परम्परागत विषयों के साथ ही मांग आधारित और रोजगार की उच्च संभावनाओं वाले कोर्स प्रारंभ करने विशेष प्रयास करें। विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रदान स्वायत्ता के आधार पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाएं। विद्यार्थियों को प्रवेश की सुविधा, उत्कृष्ट शिक्षा, समय पर परीक्षा और तत्काल परिणाम घोषणा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए। परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था को बढ़ावा दें। इसी तरह प्रवेश के समय ही अंकसूची और डिग्री वितरण के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के डीजी लॉकर में उनकी त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित हो।

डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी के हित में

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि परीक्षाओं का प्रभावी, पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन जरूरी है। डिजिटल वैल्यूएशन विद्यार्थी हितों के अनुकूल है। विश्वविद्यालय परीक्षा मूल्यांकन संबंधी कार्यों में आधुनिक तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करें। समय पर परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए डिजिटल वैल्यूएशन प्रणाली की संभावनाओं को तलाशा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में राशियों के जमा करने की व्यवस्था का भी परीक्षण करें। विश्वविद्यालय के विकास में राशि के उपयोग और निवेश के संबंध में भी कार्यवाही की जाना चाहिए।

युवा शक्ति राष्ट्र विकास को देगी नई दिशा:डॉ. यादव

पीएआरटीएचएवं एमपीवायपी का हुआ ऑनलाइन शुभारंभ

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वप्न है कि वर्ष 2047 में आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश ही नहीं दुनिया के प्रतिनिधित्व में हिन्दुस्तान के युवाओं की अग्रणी भूमिका हो। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र के विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को त्रि-दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव-2025 के समापन पर टी.टी. नगर स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा महोत्सव के अवसर पर 2 महत्वपूर्ण पार्थ एवं युवा प्रेरक अभियान (एमपीवायपी) शुभारंभ किया। डॉ. यादव ने कहा कि खेल विभाग द्वारा प्रदेश के ऐसे युवा जो सेना और पुलिस में अपनी सेवाएं देना चाहते हैं, उनके लिए पार्थ योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। प्रदेश में 10 स्थानों पर इनके प्रशिक्षण की व्यवस्था रहेगी। यह संस्था स्व-पोषित होगी। इनमें प्रशिक्षणार्थियों को न्यूनतम शुल्क देना होगा। एमपीवायपी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के युवाओं को कौशल विकास, कॅरियर और रोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रदेश के युवा अपनी योग्यता और हुनर को और अधिक तराश कर अपने भविष्य के आधार की नींव को मजबूती प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कला एवं कलाकारों के अद्भुत संगम की प्रस्तुति से मन आनंद प्रफुल्लित हो उठा है, जिसका वर्णन करना मुश्किल है। परम आनंद की अनुभूति है युवा शक्ति में। आज के युवा में कल के विकसित भारत की झलक देखने को मिलती है। डॉ. यादव के स्वागत में युवा उत्सव के विजेता सदस्यों द्वारा रंगारंग नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री ने नृत्य नाटिका में कलाकारों द्वारा दी गई प्रस्तुति की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। बुन्देली पार्श्व गायिका के साथ उन्होंने बुन्देली गायन और नृत्य में कलाकारों द्वारा माँ दुर्गा और चण्डी के स्वरूप की अद्भुत प्रस्तुति की सराहना की। डॉ. यादव ने विजेता कलाकारों के साथ सेल्फी ली और फोटो खिंचवाए। मुख्यमंत्री ने 28वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव में संभागों की टीमों द्वारा विभिन्न विधाओं में दी गई प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। डॉ. यादव के सम्मुख समूह लोकगीत श्रेणी में विजेता सागर संभाग और समूह लोक नृत्य श्रेणी में विजेता ग्वालियर संभाग की प्रस्तुति दी गई। चित्रकला में प्रथम आए जबलपुर संभाग के श्री आयुष कुशवाहा और द्वितीय स्थान पर रही इंदौर संभाग की सुश्री संस्कृति श्रीवास्तव के चित्र का अवलोकन किया। विज्ञान मॉडल श्रेणी में प्रथम आई जबलपुर संभाग की सुश्री पल्लवी ऐडे द्वारा प्रस्तुत ग्लूको ब्रिथे लाइजर और द्वितीय रहे ग्वालियर संभाग के अमन धाकड़ द्वारा प्रस्तुत बॉयोगैस कंप्रेसर के मॉडल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की तथा दोनों विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे युवाओं से संवाद

श्री सारंग ने बताया कि 6 से 8 जनवरी तक 28वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन भोपाल में किया गया। इसके अंतर्गत प्रदेश भर में जिला, संभाग एवं राज्य स्तरीय युवा उत्सव का विशेष आयोजन किया गया था। श्री सारंग ने बताया कि युवा महोत्सव में चयनित 45 युवा भारत मंडपम नई दिल्ली में 11 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में विकसित भारत के निर्माण में अपने दृष्टिकोण और विचार सांझा करेंगे। शुरूआत में मुख्यमंत्री का श्री सारंग द्वारा स्मृति-चिन्ह व पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

जॉय-राइड पर दिव्यांग बच्चे पहुंचे इंदौर

मुख्य न्यायाधीश कैत ने हवाई टिकिट देकर फ्लाइट से किया रवाना

भोपाल(काप्र)।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की पहल पर जबलपुर के 5 दिव्यांग बच्चों की जॉय-राइड की इच्छा आज पूर्ण हुई। यह बच्चे जबलपुर से इंडिगो की उड़ान से इंदौर पहुंचे हैं। इन बच्चों को जबलपुर एयरपोर्ट पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने हवाई टिकिट प्रदान कर रवाना किया। ये सभी बच्चे इंदौर शहर का भ्रमण करेंगे। इस दौरान बच्चे इंदौर के राजवाड़ा और चिड़िया घर का भ्रमण करेंगे, 56 दुकान के पकवानों का जायका लेंगे और खजराना गणेश मंदिर में दर्शन करेंगे। हवाई यात्रा में आने-जाने के दौरान इन बच्चों का ध्यान रखने के लिये 2 शिक्षक, 2 अभिभावक और 2 जे.जे.सी. सदस्य साथ हैं। न्यायिक एकेडमी जबलपुर में आयोजित दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा के लिये आयोजित संवाद कार्यक्रम में न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं किशोर न्यायालय सचिव की उपस्थिति में दिव्यांग बच्चों ने फ्लाइट द्वारा यात्रा की मंशा जाहिर की थी। उनकी इस इच्छा को पूर्ण करने के लिये सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों को हवाई यात्रा करायी जा रही है। इन बच्चों में सोनिया रखिया, प्रिया जैन, अमर, पंचमलाल पटेल और मंयक दुबे शामिल है।

प्रशासनिक निर्णयों में न हो देरी, औपचारिकताएं समय से करें पूर्ण

भोपाल(काप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन आयोग और लोक सेवा आयोग के माध्यम से जारी भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशासनिक निर्णयों में किसी प्रकार की देरी न हो और सभी औपचारिकताएं समय पर पूर्ण की जाएं।

श्री शुक्ल ने आईपीएचएस मानकों के अनुरूप नवीन स्वीकृत पदों, नवीन स्वास्थ्य संस्थाओं और उन्नत स्वास्थ्य संस्थाओं में रिक्तियों की पूर्ति की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नर्सिंग भर्ती और विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जा सके। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया और पैरामेडिकल कॉउंसिल की गतिविधियों की समीक्षा की।

श्री शुक्ल ने सीधी भर्ती के साथ पदोन्नति के पदों की रिक्तियों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मानव संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित कर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं। श्री शुक्ल ने पैरामेडिकल संस्थानों की मान्यता प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की और नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022-23 के पैरामेडिकल विद्यार्थियों की परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं और उनके परिणाम भी जारी कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुगूंज का कल करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्कूल शिक्षा विभाग के सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुगूंज का 10 जनवरी को शुभारंभ करेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम सांय 5:30 बजे से शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में होगा।

अनुगूँज के प्रथम भाग धनक के अंतर्गत गायन-वादन के साथ ही भारत के विविध शास्त्रीय नृत्य मोहनीअट्टम, भरतनाट्यम, ओडिसी और कथक नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियाँ होगी। द्वितीय भाग रंगकार में प्रसिद्ध नाटक चरनदास चोर का मंचन विद्यार्थियों द्वारा किया जायेगा। सभी प्रस्तुतियों में सहभागी विद्यार्थियों ने मात्र 1 माह की अल्पावधि में इन प्रस्तुतियों के लिए खुद को तैयार किया है। विभिन्न शासकीय विद्यालयों के लगभग 600 विद्यार्थियों ने अपनी अभिव्यक्ति को नए सोपान देने का प्रयास अनुगूँज में किया जायेगा। विभाग द्वारा अनुगूँज के आकल्पन को आकार देने के लिए प्रदेश के राष्ट्रीय औरअंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रंगकर्मी और कलाकारों को मेंटोर्स के रूप में संयोजित किया गया है। इन मेंटोर्स ने एक कुशल मार्गदर्शक के रूप में इस विशेष कार्यक्रम और भविष्य के लिए भी इन विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं में पारंगत कराया है। प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहें है, जिनमें पद्मविभूषण पंडित जसराज की शिष्या और वरिष्ठ ख्याल गायिका डॉ. नीलांजना वशिष्ठ, मोहनीअट्टम नृत्य की शीर्षस्थ कलाकार और गुरू सुश्री कविता शाजी, भरतनाट्यम शैली की शीर्षस्थ नृत्य गुरू सुश्री भारती होम्बल, ओडिसी नृत्य की अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त नृत्य गुरू सुश्री बिंदु जुनेजा और शिखर सम्मान से विभूषित रायगढ घराने की नृत्य गुरू डॉ. विजया शर्मा के साथ ही प्रयोगधर्मी नाट्य निदेशक सौरभ अनंत जैसे शीर्षस्थ कला मनीषी शामिल हैं।

आयुक्त नि:शक्तजन का प्रभार प्रमुख सचिव वायंगणकर को

भोपाल। आयुक्त नि:शक्तजन मध्यप्रदेश का प्रभार प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने ग्रहण कर लिया है। पूर्व में पदस्थ आयुक्त नि:शक्तजन का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। नवीन नियुक्ति होने तक प्रमुख सचिव श्रीमती वायंगणकर प्रभारी आयुक्त नि:शक्तजन के रूप में कार्य करेंगी।

राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में वाद-विवाद प्रतियोगिता कल

पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ द्वारा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये क्या भारत में समान नागरिक संहिता लागू किया जाना चाहिए विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 10 जनवरी को किया गया है। यह प्रतियोगिता संसदीय विद्यापीठ, विंध्याचल भवन, भूतल में होगी। विधायक विष्णु खत्री वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रात: 10:45 बजे करेंगे।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन 15 मार्च को

भोपाल(काप्र)।

उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में जागरूक करने की मशा से प्रतिवर्ष 15 मार्च 2025 को %विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों, व्यक्तियों एवं छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिये पुरस्कार योजनान्तर्गत उत्कृष्ट प्रविष्टियां का चयन किया जाकर राज्य एवं संभाग स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्था/व्यक्तियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिया जायेगा। प्रथम पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र एक लाख 11 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 51 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 25 हजार रूपये का दिया जायेगा।

संभाग स्तरीय पुरस्कार: उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संगठन/व्यक्ति को संभाग स्तरीय पुरस्कार दिया जायेगा। प्रथम पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 21 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 11 हजार रूपये और तृतीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 5 हजार रूपये का दिया जायेगा।

स्पेशल खबर *पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के कार्यों की गहन समीक्षा...*

उपभोक्ताओं को सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें: तोमर

भोपाल(काप्र)।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें।

श्री तोमर ने कहा कि तकनीकी एवं वितरण हानियाँ कम करें। उन्होंने कहा कि मीटर रीडिंग के आधार पर बिजली बिल दें। आकलित खपत के आधार पर बिल देने की प्रक्रिया रोकी जाये। आदतन बिजली बिल नहीं जमा करने वाले उपभोक्ताओं से वसूली सुनिश्चित करें। श्री तोमर ने वृत्तवार जले एवं खराब ट्रांसफार्मर की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नियमानुसार समय-सीमा में ट्रांसफार्मर बदले जायें। इसी तरह खराब घरेलू मीटर भी शीघ्र बदलें। साथ ही मीटर खराब होने के कारण भी पता करें। श्री तोमर ने नवीन विद्युत कनेक्शन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने प्रकरणों के लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी लंबित कनेक्शन पात्रतानुसार समय-सीमा में दें। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के बारे में लोगों को जागरूक किया जाये। उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निराकरण होना चाहिये। एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी रजनी सिंह ने कंपनी द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर के परफार्मेंस की करें एनालिसिस

बिजली उपभोक्ताओं के घरों में लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर के परफार्मेंस की एनालिसिस करें। उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की विशेषताओं से भी अवगत करायें। उपभोक्ता संतुष्टि में कितना सुधार हुआ है और बिल संबंधी शिकायतों में कितनी कमी आयी है, इसका भी आकलन करें। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश स्मार्ट मीटर लगाने के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। उन्होंने वर्तमान में एजेंसीवार उपलब्ध स्मार्ट मीटर की संख्या एवं भविष्य के लिये माहवार स्मार्ट मीटर की उपलब्धता की कार्य-योजना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्य-योजना अनुसार स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही की जाये। श्री तोमर ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने के कारण कम्पनी को सब्सिडी देने में कितना अंतर आया है, इसकी जानकारी दें। उन्होंने प्रीपेड बिलिंग की कार्य-योजना के संबंध में भी चर्चा की। बैठक में बताया गया कि स्मार्ट मीटरों की स्थापना के बाद बिलिंग दक्षता में लगभग 9 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी पायी गयी है। फीडरवार स्मार्ट मीटरिंग का कार्य पूरा होने के बाद एनर्जी ऑडिट की जायेगी। एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी अनय द्विवेदी, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षितिज सिंघल और एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी सुश्री रजनी सिंह उपस्थित थे।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com